भारतरत्न अटल

हिन्दी, राष्ट्रवाद और सुशासन

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

30–31 अक्टूबर, 2026

विज्ञान भवन, नई दिल्ली

वसुधैव कुटुम्बकम्

विश्व हिन्दी परिषद

पता: बी-2/1 बी, निधि हाउस, सफदरजंग एन्क्लेव,
नई दिल्ली – 110029

011-49446677, 8586016348

vishwahindiparishadoffice@gmail.com

www.vishwahindiparishad.in

"भारतरत्न अटल: हिन्दी, राष्ट्रवाद और सुशासन"

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी भारत के उन महान विभूतियों में से एक हैं जिनका जीवन और विचार आज भी प्रासंगिक है और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा प्रदान करते हैं। अटल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था जिसमें राजनीति, साहित्य, कूटनीति और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। वह न केवल एक सफल प्रधानमंत्री थे बल्कि एक प्रखर वक्ता, संवेदनशील कवि, दूरदर्शी चिंतक और लोकतांत्रिक मूल्यों के सच्चे साधक भी थे। उन्होंने भारत की राजनीति को एक नई दिशा दी और उसे नैतिकता, संवाद और सहिष्णुता के आधार पर सुदृढ़ किया। अटल जी का वैचारिक संसार अत्यंत व्यापक और समावेशी था। उन्होंने "राष्ट्र प्रथम" की भावना को अपने प्रत्येक कार्य में सर्वोपरि रखा। उनके नेतृत्व में भारत ने विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित किए। वह ऐसे नेता थे जिन्होंने विरोध को भी सम्मान दिया और लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखा और गठबंधन सरकार चलाने का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। उनका काव्य और चिंतन आज भी समाज में आशा, साहस और सकारात्मक दृष्टिकोण का संचार करता है

निःसंदेह, भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी एक ऐसे युगपुरुष थे जिन्होंने भारतीय राजनीति और समाज को मानवीय मूल्यों के साथ जोड़कर एक नई दिशा प्रदान की। उनका जीवन-दर्शन आज भी भारत ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर लोकतंत्र, शांति और सहअस्तित्व का संदेश देता है। उनके विचार आज के समय में भी उतने ही प्रासंगिक और प्रेरणादायक हैं।

यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के आदर्शों, काव्य और विचारों को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह सम्मेलन उनके दृष्टिकोण को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में समझने और उनके संदेश को व्यापक स्तर पर प्रसारित करने का सशक्त माध्यम बनेगा। हमें विश्वास है कि हम सभी उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र, समाज और विश्व के कल्याण में अपना योगदान देंगे।

शोधपत्रिका का प्रकाशन

दो दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन के अवसर पर विश्व हिंदी परिषद द्वारा "विश्व हिंदी अन्वेषिका" शोधपत्रिका का प्रकाशन करने के योजना है। स्मारिका में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के विभिन्न उपयोगी आलेख/शोध पत्र और हिंदी साहित्य तथा राजभाषा हिंदी से संबंधित महत्वपूर्ण सामग्री प्रकाशित की जाएगी। इस स्मारिका में संस्थाओं/प्रतिष्ठानों का सचित्र परिचयात्मक लेख भी प्रकाशित किया जा सकता है ताकि उनके बारे में सभी को जानकारी मिल सके। यह स्मारिका अपने आप में एक उपयोगी ज्ञानप्रद और आकर्षक माध्यम के रूप में व्यापक रूप से प्रचारित-प्रसारित की जाएगी ताकि अधिक से अधिक हाथों तक इसे पहुँचाया जा सके।

पूर्व में प्रकाशित हुई शोधपत्रिकाएं

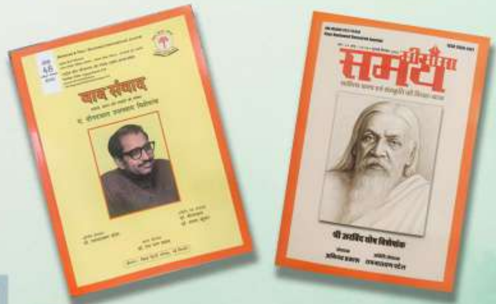

आलेख/शोधपत्र आमंत्रण

सम्मेलन के लिए मौलिक और अप्रकाशित आलेख/शोधपत्र हिंदी भाषा में आमंत्रित हैं। इच्छुक प्रतिभागियों से निवेदन है कि भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के व्यक्तित्व, कृतित्व, राष्ट्रवाद, हिंदी के प्रति उनके योगदान एवं उनके प्रेरक जीवन से जुड़ी अपनी मूल्यवान लिपिबद्ध स्मृतियाँ अवश्य साझा करें। इस सम्मेलन में हर इच्छुक व्यक्ति भागीदारी कर सकता है। इसमें पेशा, कार्य, विचारधारा, व्यवसाय, क्षेत्र, भाषा और विषय इत्यादि किसी भी प्रकार की कोई भी पाबंदी नहीं है। मुख्य विषय और उपविषयों पर आलेख/शोध आलेख भेजे जा सकते हैं। स्तरीय आलेखों/शोध आलेखों को ISSN/ISBN नम्बरयुक्त प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशनों में प्रकाशित करवाने की योजना है। आलेख/शोधपत्र वाचन एवं पत्रिका/पुस्तक में प्रकाशन के संदर्भ में विश्व हिंदी परिषद की निर्णायक समिति का निर्णय अंतिम और मान्य होगा। निर्णय आलेख/शोधपत्र की उत्कृष्टता एवं गुणवत्ता के आधार पर होगा।

"भारतरत्न अटल: हिन्दी, राष्ट्रवाद और सुशासन"

कतिपय उपविषय

- अटल जी का दार्शनिक चिंतन
- अटल जी का राजनीतिक चिंतन
- अटल बिहारी वाजपेयी के भाषणों का भाषावैज्ञानिक विश्लेषण: शैली, संरचना और प्रभाव
- अटल जी की काव्य चेतना में राष्ट्रवाद और मानवीय संवेदनाएँ
- अटल जी के शासनकाल में सुशासन के मॉडल का तुलनात्मक अध्ययन
- अटल जी की विदेश नीति और हिंदी का वैश्विक प्रसार
- अटल जी के नेतृत्व में गठबंधन राजनीति: चुनौतियाँ और सफलताएँ
- भारतीय लोकतंत्र में संवाद की संस्कृति: अटल दृष्टिकोण
- अटल जी की आर्थिक नीतियाँ और 'संरचनात्मक विकास' का प्रभाव
- अटल जी के विचारों में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद बनाम राजनीतिक राष्ट्रवाद
- अटल जी के काव्य में शांति, सहअस्तित्व और विश्वबंधुत्व का स्वर
- सुशासन की अवधारणा: अटल मॉडल और समकालीन प्रासंगिकता
- अटल जी की नीतियों में ग्रामीण विकास और अंत्योदय का दृष्टिकोण
- हिंदी पत्रकारिता और अटल जी: वैचारिक प्रतिबद्धता और अभिव्यक्ति
- अटल जी के नेतृत्व में परमाणु नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा का विमर्श
- अटल जी के भाषणों में लोकतांत्रिक मूल्यों का विमर्श
- अटल जी और मीडिया: संवाद, छवि और जनविश्वास
- अटल जी के राजनीतिक जीवन में नैतिकता और आदर्शवाद
- अटल जी के काव्य और समकालीन हिंदी कविता का तुलनात्मक अध्ययन
- अटल जी के विचारों में शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण
- वैश्वीकरण के दौर में अटल जी का राष्ट्रवाद: एक विश्लेषण
- अटल जी के नेतृत्व में भारत की आंतरिक सुरक्षा नीति का अध्ययन

सम्मान एवं पुरस्कार

विश्व हिन्दी परिषद की परिपाटी हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं को सम्मानित व पुरस्कृत करने की रही है। ये पुरस्कार उच्चस्तरीय मूल्यांकन समिति की सिफारिशों के आधार पर दिए जाते हैं। पूर्व आयोजनों में भी परिषद द्वारा साहित्य एवं गैर-साहित्यिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संस्थानों/व्यक्तियों को भारत सरकार के मंत्रीगण के कर-कमलों से सम्मानित किया जाता रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी हिंदी साहित्य तथा राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं/कार्यालयों को सम्मानित/पुरस्कृत करने की योजना है:-

- 21 श्रेष्ठ शोध-पत्र/आलेखों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।
- राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी तथा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 51 व्यक्तियों को सम्मानित किए जाने की योजना है।
- भारत सरकार की राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए पुरस्कार-
- इसके लिए सरकारी कार्यालयों/उपक्रमों इत्यादि को विश्व हिंदी परिषद की वेबसाइट www.vishwahindiparishad.in पर उपलब्ध निर्धारित प्रपत्र में आवेदन करना होगा और साथ ही विश्व हिंदी परिषद के पक्ष में निर्धारित प्रविष्टि शुल्क जमा कराना होगा। मूल्यांकन के आधार पर श्रेष्ठ पाए जाने वाले कार्यालयों/उपक्रमों इत्यादि को पुरस्कृत किया जाएगा।

पुरस्कारों के निर्धारण में मूल्यांकन समिति का निर्णय अंतिम और मान्य होगा।

विश्व हिन्दी परिषद (के सन्दर्भ में)

विश्व हिन्दी परिषद लोकमंगल और सर्वकल्याण की भावना से अनुप्राणित हिन्दी भाषा के साधकों को प्रोत्साहित कर, भाषा के उन्नयन और अविरल गति से चलने के प्रयास में जुटी अपने प्रयोजन और उद्देश्य को पूरा कर रही है। हिन्दी प्रचार-प्रसार की सेवा में तत्पर कश्मीर से कन्याकुमारी तक के विभिन्न भाषा-भाषी साहित्यकारों, पत्रकारों, प्राध्यापकों, शिक्षकों, राजभाषा अधिकारियों, स्वयंसेवियों एवं कर्मचारियों तथा हिन्दी प्रेमी जनता को एक मंच पर एकत्रित करके उन्हें अनुप्रेरित करते हुए यह संस्था विगत दो दशकों से अपनी कर्मठ भूमिका निभा रही है।

परिषद का उद्देश्य समाज-सापेक्ष, व्यावहारिक, प्रकार्यात्मक, सरल एवं सुबोध तथा क्षेत्रीय भाषाओं के शब्दों को लेकर जीवंत हिन्दी बनाना है क्योंकि मातृभाषा, क्षेत्रीय भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा और अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी की बहुआयामी भूमिका है। यह हिन्दी-प्रेमी विद्वानों एवं चिंतकों को संगठित करके समय-समय पर हिन्दी भाषा एवं साहित्य के प्रति उनके कर्तव्य को याद दिलाती है और उनमें दायित्वबोध को जागृत कराती है। परिषद द्वारा हिन्दी की सेवा में तत्पर हिन्दी प्रेमियों को बढ़ावा देने एवं उनके योगदान को सराहने के लिए प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें पुरस्कारों से सम्मानित भी किया जाता है। विश्व हिन्दी परिषद अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलनों के दौरान स्मारिका भी प्रकाशित करती रही है। परिषद युवाओं तथा नव-प्रतिभाओं को आत्माभिव्यक्ति का व्यापक मंच भी प्रदान करती है। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं, सामाजिक-सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से हिन्दी भाषा का वैश्विक विस्तार करना ही विश्व हिंदी परिषद का मुख्य ध्येय है। विश्व हिन्दी परिषद भारतीय भाषाओं के समन्वय से हिंदी को विश्व भाषा/राष्ट्रभाषा बनाने की भावना से अनुप्राणित है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2025

कविंद्र गुप्ता जी
माननीय उपराज्यपाल, हिमाचल प्रदेश

अजय कुमार मिश्रा जी
निवर्तमान गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार

श्री अजेय जी ,
केंद्रीय अभिलेखागार प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

पद्मश्री, पद्मभूषण **आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद जी**
निवर्तमान सांसद, राज्यसभा
राष्ट्रीय अध्यक्ष, विश्व हिन्दी परिषद
निवर्तमान उपाध्यक्ष, संसदीय राजभाषा समिति, भारत सरकार

श्री के.सी. त्यागी जी
वरिष्ठ नेता, आरएलडी
निवर्तमान लोकसभा एवं राज्यसभा सांसद

श्रीमती रेखा शर्मा
राज्यसभा सांसद
निवर्तमान अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग, भारत सरकार

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2024

डॉ. हरि बाबू कंभमपति जी
महामहिम राज्यपाल, ओडिशा

प्रो. एस.पी. सिंह बघेल जी
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार

श्री आर.के. सिन्हा जी
पूर्व राज्यसभा सांसद एवं उद्योगपति

श्री के.सी. त्यागी जी
वरिष्ठ नेता, आरएलडी
निवर्तमान लोकसभा एवं राज्यसभा सांसद

श्री फग्गन सिंह कुलस्ते जी
निवर्तमान केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ सांसद

पद्मश्री, पद्मभूषण **आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद जी**
निवर्तमान सांसद, राज्यसभा
राष्ट्रीय अध्यक्ष, विश्व हिन्दी परिषद
निवर्तमान उपाध्यक्ष, संसदीय राजभाषा समिति, भारत सरकार

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2023

श्री अजय कुमार मिश्र जी
माननीय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री

श्री इंद्रेश कुमार जी
वरिष्ठ प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

सुश्री अनुसुइया उइके जी
महामहिम राज्यपाल, मणिपुर

श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य जी
महामहिम राज्यपाल, असम

स्वामी सर्वलोकानंद जी महाराज
सचिव, रामकृष्ण मिशन आश्रम, दिल्ली

श्री सुधीर चौधरी जी
वरिष्ठ पत्रकार, आजतक न्यूज़

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2019

श्रीमती मृदुला सिन्हा जी
महामहिम राज्यपाल, गोवा

श्री इंद्रेश कुमार जी
वरिष्ठ प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

श्री अर्जुन राम मेघवाल जी
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार

डॉ. जितेंद्र सिंह जी
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार

श्री वी.के. सिंह जी
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार

सुश्री मैथिली ठाकुर
राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गायिका

देश के विभिन्न राज्यों के भिन्न-भिन्न विश्वविद्यालयों के विद्वान शिक्षकों एवं प्रतिभागियों का सम्मान

सम्मेलन स्थल के निकट प्रमुख दर्शनीय स्थल

विज्ञान भवन के निकट राष्ट्रपति भवन, राष्ट्रीय समर स्मारक इंडिया गेट, नेशनल जियोलॉजिकल पार्क, भारतीय संसद भवन और उसके भी आगे साउथ रिज फॉरेस्ट जैसे दर्शनीय एवं मनोहारी स्थल हैं, जहाँ ऐतिहासिक वास्तु-कला से लेकर प्राकृतिक सुषमा तक का निरीक्षण किया जा सकता है।

सम्मेलन स्थल से निकट राजीव चौक मेट्रो स्टेशन की तरफ कनॉट प्लेस है। यहाँ घूमने और देखने के स्थान चाहे ऐतिहासिक हों या धार्मिक, चाहे शॉपिंग के हों या खाने-पीने और मौज-मस्ती के लिए, किसी की भी यहाँ कमी नहीं है।

कनॉट प्लेस में आपको सब कुछ मिल जाएगा। इसके ऐतिहासिक स्थलों में जंतर-मंतर और अग्रसेन की बावली प्रमुख हैं। कई फिल्मों में दिखाई देने के कारण यह युवाओं का पसंदीदा स्थान है। यहाँ ऐतिहासिक हनुमान मंदिर और प्रसिद्ध बंगला साहिब गुरुद्वारा भी दर्शनीय हैं।

कनॉट प्लेस में स्थित खादी ग्रामोद्योग भवन में खादी से बने खूबसूरत कपड़े मिलते हैं। यहाँ कुटीर उद्योग का सामान भी मिलता है।

कनॉट प्लेस का इनर सर्कल और पालिका बाजार शॉपिंग के लिए बेहतर विकल्प हैं। यहाँ दुनिया के बड़े-बड़े ब्रांड भी मिल जाएंगे।

जनपथ स्थित तिब्बती मार्केट में कम कीमत में बेहतर शॉपिंग की जा सकती है।

मुगलई और नॉनवेज खाने के शौकीनों के लिए "काके दा होटल" है।

साउथ इंडियन खाने के लिए "सरवन भवन" पर हर प्रकार के डोसे उपलब्ध हैं।

बाबा खड़क सिंह मार्ग पर स्थित "कॉफी होम" पर कॉफी पीना न भूलें।

स्ट्रीट फूड के शौकीन पालिका बाजार का जायका ले सकते हैं, जबकि एक से एक क्वालिटी रेस्टोरेंट भी यहाँ उपलब्ध हैं।

सम्मेलन स्थल : विज्ञान भवन

नई दिल्ली में मौलाना आज़ाद रोड पर स्थित यह एक सरकारी इमारत है। सन 1956 में बनी यह इमारत राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए प्रयोग में लाई जाती है।

यह दिल्ली के बेहतरीन, अत्याधुनिक तथा नवीनतम उपकरणों व तकनीक से युक्त है। यह पूर्णतः वातानुकूलित है।

इसके निकटवर्ती मेट्रो स्टेशन केंद्रीय सचिवालय तथा सेवातीर्थ (उद्योग भवन) हैं।

यहाँ दृश्य-श्रव्य रिकॉर्डिंग की सुविधा के लिए स्टूडियो उपलब्ध है। इसमें सभी प्रमुख बिंदुओं पर सी.सी.टी.वी. की व्यवस्था है।

इसमें लगभग 1200 लोगों के बैठने की सुविधा है।

विज्ञान भवन में कॉमनवेल्थ मीटिंग, नॉन एलाइन्ड मूवमेंट और सार्क समिट्स जैसे कई महत्वपूर्ण आयोजन भारत सरकार द्वारा किए जा चुके हैं।

भारत सरकार का आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय इसकी देखरेख व अनुरक्षण करता है।

इस इमारत में वे सभी आयोजन सम्पन्न होते हैं जिनमें भारत के राष्ट्रपति अथवा प्रधानमंत्री उपस्थित होते हैं।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार व हिंदी दिवस जैसे सरकारी आयोजन भी यहीं होते हैं।

समानांतर सत्र संचालन के लिए उचित व्यवस्था है।

इसमें ऐसे अनेक कक्ष हैं जहाँ बैठक की जा सकती है।

ध्वनि, प्रकाश, चित्र व्यवस्था हेतु अनुकूल सुविधाएँ विद्यमान हैं।

जलपान एवं भोजन सत्र के लिए जलपान स्थल उपलब्ध है।

अत्यधिक सुंदर, भव्य, आकर्षक और नवीन तकनीकयुक्त विज्ञान भवन का यह सभागार बौद्धिक एवं शिक्षित वर्ग के लिए आकर्षण तथा जिज्ञासा का केंद्र है।

जंतर मंतर

राष्ट्रपति भवन

राष्ट्रीय समर स्मारक
इंडिया गेट

भारतीय संसद

011-49446677, 8586016348
vishwahindiparishadoffice@gmail.com www.vishwahindiparishad.in